Global Rajasthan Agritech Meet 2026 - preparations review and farmer outreach.

The Global Rajasthan Agritech Meet 2026 is aimed at enhancing the financial status of farmers through making them more productive and facilitating the modern agricultural technologies and innovations to implement the so-called smart farming. The Chief Secretary ensured that there was inter-departmental coordination that would result in a successful event and asked progressive farmers to register online on the portal to make sure that as many people as possible participate. The meet is expected to bring the farmers in touch with the agri innovations of the global level and assist farmers of Rajasthan in the adoption of new techniques to achieve better results.

KEY FEATURES

• Chief Secretary V. Srinivas as chairman.

• Emphasis: the modern technology enhances agricultural productivity and income of farmers as well as their leadership.

• Departments requested to collaborate and ensure a seamless implementation.

• Farmers It is planned that around 50,000 farmers will participate in the Agritech meet 2026.

• The opportunities of agriculture and allied-sector to be facilitated in Rajasthan.

• Roadshows to be held in India and internationally.

• Agricultural research and institutions

• Agricultural universities and research institutions

• 250+ exhibitors and companies

• Government and Non Government organisations

• ICAR institutions.

• Large state-level event convergence model through multi-departmental.

• Concentrate on the income of farmers, their productivity increase, and spreading innovations to the grassroots.

• International participation and buyer-seller/ business meetings signify agri value-chain and agri market linkage focus.

CONCLUSION

Having the mass involvement of farmers, cooperation of institutions and other countries, and the organized knowledge sharing platforms, the meet will enhance the productivity and the financial situation of the farmers as a result of implementing the modern techniques and smart farming technologies.

MCQs (RAS PRELIMS PATTERN)

1. The preparations of Global Rajasthan Agritech Meet 2026 were discussed with the chairman:

(a) Manju Rajpal

(b) V. Srinivas

(c) Chairperson, ICAR

(e) Assistant Secretary, Tourism.

Answer: b

2. The presentation indicates that the participation of farmers in Global Rajasthan Agritech Meet 2026 is expected as follows:

(a) 5,000+

(b) 10,000+

(c) 25,000+

(d) 50,000+

RASonly

Answer: d

3. What is not listed as a planned element of the event Global Rajasthan Agritech Meet 2026?

(a) Buyer–Seller meetings

(b) Farmer–Scientist dialogue

(c) Exhibition

(d) Debate session in parliament.

Answer: d

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 - तैयारियों की समीक्षा और किसानों तक पहुंच।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 का लक्ष्य किसानों को अधिक उत्पादक बनाकर और आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों और इनोवेशन को लागू करके तथाकथित स्मार्ट खेती को बढ़ावा देकर उनकी वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाना है। मुख्य सचिव ने यह सुनिश्चित किया कि विभागों के बीच समन्वय हो जिससे यह कार्यक्रम सफल हो और प्रगतिशील किसानों से पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करने को कहा ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग इसमें भाग ले सकें। उम्मीद है कि यह मीट किसानों को वैश्विक स्तर के कृषि इनोवेशन से जोड़ेगा और राजस्थान के किसानों को बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए नई तकनीकों को अपनाने में मदद करेगा।

मुख्य विशेषताएं

• मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास अध्यक्ष के रूप में।

• ज़ोर: आधुनिक तकनीक कृषि उत्पादकता और किसानों की आय के साथ-साथ उनके नेतृत्व को भी बढ़ाती है।

• विभागों से सहयोग करने और निर्बाध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया।

• किसान: यह योजना है कि एग्रीटेक मीट 2026 में लगभग 50,000 किसान भाग लेंगे।

RASonly

• राजस्थान में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के अवसरों को सुविधाजनक बनाया जाएगा।

• भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोड शो आयोजित किए जाएंगे।

• कृषि अनुसंधान और संस्थान

• कृषि विश्वविद्यालय और अनुसंधान संस्थान

• 250 से अधिक प्रदर्शक और कंपनियाँ

• सरकारी और गैर-सरकारी संगठन

• ICAR संस्थान।

• बहु-विभागीय माध्यम से बड़े राज्य-स्तरीय कार्यक्रम अभिसरण मॉडल।

• किसानों की आय, उनकी उत्पादकता में वृद्धि और जमीनी स्तर पर इनोवेशन फैलाने पर ध्यान केंद्रित करें।

• अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी और क्रेता-विक्रेता/व्यापार बैठकें कृषि मूल्य-श्रृंखला और कृषि बाज़ार लिंकेज फोकस को दर्शाती हैं।

निष्कर्ष

किसानों की बड़े पैमाने पर भागीदारी, संस्थानों और अन्य देशों के सहयोग, और संगठित ज्ञान साझाकरण प्लेटफार्मों के साथ, यह मीट आधुनिक तकनीकों और स्मार्ट खेती प्रौद्योगिकियों को लागू करने के परिणामस्वरूप किसानों की उत्पादकता और वित्तीय स्थिति में सुधार करेगा।

MCQs (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

1. ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 की तैयारियों पर चेयरमैन के साथ चर्चा की गई:

(a) मंजू राजपाल

(b) वी. श्रीनिवास

(c) चेयरपर्सन, ICAR

(e) असिस्टेंट सेक्रेटरी, टूरिज्म।

RASonly

उत्तर: b

2. प्रेजेंटेशन से पता चलता है कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 में किसानों की भागीदारी इस प्रकार होने की उम्मीद है:

(a) 5,000+

(b) 10,000+

(c) 25,000+

(d) 50,000+

उत्तर: d

3. ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 इवेंट के नियोजित तत्व के रूप में किसे सूचीबद्ध नहीं किया गया है?

(a) खरीदार-विक्रेता बैठकें

(b) किसान-वैज्ञानिक संवाद

(c) प्रदर्शनी

(d) संसद में बहस सत्र।

उत्तर: d

RASonly

Saksham Jaipur Abhiyan under BBBP- Nari Chaupal in Bassi as a district level women empowerment platform.

The project is under the guise of the Chief Minister, Bhajanlal Sharma and is being undertaken by the district administration, under the Beti Bachao-Beti Padhao structure. The event was conducted according to the guidelines of District Collector Dr. Jitendra Kumar Soni and thousands of women and girls participated in it. The Nari Chaupal model is carried out in phases in all the sub-divisions of Jaipur district to enhance dialogue, participation, awareness, and independence amongst women.

KEY FEATURES

- Detained at Bassi sub-division, on Wednesday (January 7, 2026).
- Directed by the instructions of District Collector Dr. Jitendra Kumar Soni.
- Availability of IAS officer Mrinal Kumar and Sub-Divisional Officer Dr. Garima Sharma.
- The Deputy Director of Women Empowerment Department gave information about the programme.
- The pledge was taken on Beti Bachao -Beti Padhao.
- Nodal officer IAS Mrinal Kumar respected the winners of different competitions.
- The programme highlighted listening to the problems and suggestions presented by women seriously so that the agenda can be achieved in the area of policy implementation and delivery in the cities under the Jaipur district.
- The program is poised as something bigger than a talk show- based on the ability to create trust, direction, and encouragement in women to facilitate empowerment results.

CONCLUSION

The Nari Chaupal model is carried out in phases in all the sub-divisions of Jaipur district to enhance dialogue, participation, awareness, and independence amongst women.

MCQs (RAS PRELIMS PATTERN)

1. **The Nari Chaupal held in Bassi was held under the directions of:**
   (a) Dr. Rajesh Dogiwal
   (b) Dr. Garima Sharma
   (c) Dr. Jitendra Kumar Soni
   (d) Mrinal Kumar
   Answer: c

2. **At what level and pattern in Jaipur district are the Nari Chaupal programmes being organised?**
   (a) State level, one-time event
   (b) Division level, quarterly
   (c) Phase-wise across all the sub-divisions.
   (d) Village level, daily
   Answer: c

3. **What was the specific set of activities that was observed to make up the Nari Chaupal in Bassi?**
   (a) Plantation drive, blood drive, sports meet.
   (b) folk song, folk dance, street play, self-defence training (Marwari folk songs).
   (c) Legislative debate, legislative hearing, cabinet meeting.
   (e) startup, investor meet, industrial expo.

RASonly

BBBP के तहत सक्षम जयपुर अभियान - बस्सी में नारी चौपाल एक जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण मंच के रूप में।

यह परियोजना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में है और जिला प्रशासन द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ ढांचे के तहत चलाई जा रही है। यह कार्यक्रम जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया था और इसमें हजारों महिलाओं और लड़कियों ने भाग लिया। महिलाओं के बीच संवाद, भागीदारी, जागरूकता और स्वतंत्रता

बढ़ाने के लिए जयपुर जिले के सभी उप-मंडलों में नारी चौपाल मॉडल चरणों में चलाया जा रहा है।

मुख्य विशेषताएं

• बुधवार (7 जनवरी, 2026) को बस्सी उप-मंडल में आयोजित।

• जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देशों के अनुसार निर्देशित।

• IAS अधिकारी मृणाल कुमार और उप-विभागीय अधिकारी डॉ. गरिमा शर्मा की उपस्थिति।

• महिला सशक्तिकरण विभाग के उप निदेशक ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

• बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर शपथ ली गई।

• नोडल अधिकारी IAS मृणाल कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

• कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा प्रस्तुत समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुनने पर जोर दिया गया ताकि जयपुर जिले के शहरों में नीति कार्यान्वयन और वितरण के क्षेत्र में एजेंडा हासिल किया जा सके।

• यह कार्यक्रम एक टॉक शो से कहीं बढ़कर है - यह महिलाओं में विश्वास, दिशा और प्रोत्साहन पैदा करने की क्षमता पर आधारित है ताकि सशक्तिकरण के परिणाम मिल सकें।

निष्कर्ष

महिलाओं के बीच संवाद, भागीदारी, जागरूकता और स्वतंत्रता बढ़ाने के लिए जयपुर जिले के सभी उप-मंडलों में नारी चौपाल मॉडल चरणों में चलाया जा रहा है।

MCQs (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

1. बस्सी में आयोजित नारी चौपाल किसके निर्देशों के तहत आयोजित की गई थी?

(a) डॉ. राजेश डोगीवाल

(b) डॉ. गरिमा शर्मा

(c) डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी

(d) मृणाल कुमार

RASonly

उत्तर: c

2. जयपुर जिले में नारी चौपाल कार्यक्रम किस स्तर और पैटर्न पर आयोजित किए जा रहे हैं?

(a) राज्य स्तर, एक बार होने वाला कार्यक्रम

(b) डिवीजन स्तर, तिमाही

(c) सभी सब-डिवीजनों में चरण-वार।

(d) गांव स्तर, दैनिक

उत्तर: c

3. बस्सी में नारी चौपाल में कौन सी खास गतिविधियां देखी गईं?

(a) पौधारोपण अभियान, रक्तदान अभियान, खेल प्रतियोगिता।

(b) लोक गीत, लोक नृत्य, नुक्कड़ नाटक, आत्मरक्षा प्रशिक्षण (मारवाड़ी लोक गीत)।

(c) विधायी बहस, विधायी सुनवाई, कैबिनेट बैठक।

(e) स्टार्टअप, निवेशक बैठक, औद्योगिक प्रदर्शनी।

उत्तर: b

RASonly

Skill training spending Vs placement outcomes in Rajasthan; RSLDC data and planning shortcomings.

Rajasthan is set to roll out education on Artificial Intelligence (AI) in schools and colleges, although the results of current activities in the development of skills are concerning. Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corporation (RSLDC) has provided skill training to 3,65,489 young people within the past 2.5 years. Among them, few were able to get employment and the proportion of these persons is only 13% (48,629) and the remaining 87 percent are still awaiting jobs. This is more worrisome since some of the schemes lack a placement provision and schemes that require over 50% placement are registering insignificant placements.

WHY IN NEWS

Rajasthan is set to roll out education on Artificial Intelligence (AI) in schools and colleges, although the results of current activities in the development of skills are concerning.

KEY DATA AT A GLANCE

• Youth trained in last 2.5 years: 3,65,489
• Youth employed: 48,629 (13%)
• Youth awaiting employment: 87%
• Period covered (when it comes to district numbers): 1 April 2023 to 23 September 2025.
• Major concern highlighted:
– There are schemes that lack a placement provision.
– Placements are insignificant even in those regions where 50%+ placement is obligatory.

EXPENDITURE AND COST PER TRAINEE

• The amount spent on skill training by RSLDC over the past 3 years: around 462 crore.
• Approximate per trainee (course-wise) ₹20,000-50,000.
• Year-wise expenditure (₹ crore):
– 2023–24: 212.39
– 2024–25: 157.06
– 2025–26: 92.64

SNAPSHOT, BY DISTRICT, TRAINING VS EMPLOYMENT

District Training Employment.

Ajmer 26,723 3,571
Alwar 18,335 2,159
Bhilwara 30,481 1,001
Jaipur 29,239 5,385
Tonk 31,540 2,751

CURRICULUM PLANNING AND ORGANIZATION

• RSLDC is the provider of 30+ skill development courses and 7 schemes.
• Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana (DDU-GKY) operates under the Central Government support.
• Ownership structure/Funding:
– 4 schemes are state-funded
– Other departments are associated with 2 schemes.
• Annual delivery network:
– Classes are offered in an average of 400-450 centres annually.
• Fees vary across courses

PLACEMENT PROVISION AND AGENCY PAYMENTS

• Some of the unemployed also include the youth that had soft-skill training, though the scheme did not provide placement.
• In cases where the 50%+ placement is required, the department is developing a system in which:
– The payment of the agencies will depend on the targets that they have to reach concerning the placement.

CONCLUSION

This data suggests that there is a sharp disparity between the skill training activities and employment outcomes in Rajasthan. As 3,65,489 young people have been trained in 2.5 years and only 13% of them get jobs, accountability is increasingly a concern, particularly in schemes that require set quotas of placement. Combination of AI education push by the

RASonly

state with these statistics supports the significance of connecting training programs to quantifiable results in terms of employability.

MCQs (RAS PRELIMS PATTERN)

1. **How many youth trained in the previous period, 2.5 years (according to the presented data), at RSLDC?**
   (a) 4,65,489
   (b) 3,65,489
   (c) 2,65,489
   (d) 48,629
   Answer: b

2. **Based on the lastest data, what is the percentage of youth that was trained by RSLDC and got employment in the last 2.5 years?**
   (a) 87%
   (b) 50%
   (c) 13%
   (d) 25%
   Answer: c

राजस्थान में कौशल प्रशिक्षण पर खर्च बनाम प्लेसमेंट के नतीजे; RSLDC डेटा और योजना की कमियाँ।

राजस्थान स्कूलों और कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर शिक्षा शुरू करने जा रहा है, हालांकि कौशल विकास में मौजूदा गतिविधियों के नतीजे चिंताजनक हैं। राजस्थान कौशल और आजीविका विकास निगम (RSLDC) ने पिछले 2.5 सालों में 3,65,489 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया है। इनमें से कुछ ही लोगों को रोज़गार मिल पाया और ऐसे लोगों का अनुपात सिर्फ 13% (48,629) है और बाकी 87 प्रतिशत अभी भी नौकरियों का इंतज़ार कर रहे हैं। यह और भी चिंताजनक है क्योंकि कुछ योजनाओं में प्लेसमेंट का प्रावधान नहीं है और जिन योजनाओं में 50% से ज़्यादा प्लेसमेंट ज़रूरी है, उनमें भी बहुत कम प्लेसमेंट हो रहे हैं।

खबरों में क्यों

राजस्थान स्कूलों और कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर शिक्षा शुरू करने जा रहा है, हालांकि कौशल विकास में मौजूदा गतिविधियों के नतीजे चिंताजनक हैं।

RASonly

एक नज़र में मुख्य डेटा

• पिछले 2.5 सालों में प्रशिक्षित युवा: 3,65,489

• रोज़गार पाने वाले युवा: 48,629 (13%)

• रोज़गार का इंतज़ार कर रहे युवा: 87%

• कवर की गई अवधि (जब ज़िले के आंकड़ों की बात आती है): 1 अप्रैल 2023 से 23 सितंबर 2025 तक।

• बताई गई मुख्य चिंता:

– कुछ योजनाएँ ऐसी हैं जिनमें प्लेसमेंट का प्रावधान नहीं है।

– उन क्षेत्रों में भी प्लेसमेंट बहुत कम हैं जहाँ 50%+ प्लेसमेंट अनिवार्य है।

खर्च और प्रति प्रशिक्षार्थी लागत

• पिछले 3 सालों में RSLDC द्वारा कौशल प्रशिक्षण पर खर्च की गई राशि: लगभग 462 करोड़ रुपये।

• प्रति प्रशिक्षार्थी (कोर्स के अनुसार) अनुमानित ₹20,000-50,000। • साल-दर-साल खर्च (₹ करोड़):

– 2023–24: 212.39

– 2024–25: 157.06

– 2025–26: 92.64

स्नैपशॉट, जिले के अनुसार, ट्रेनिंग बनाम रोज़गार

जिला ट्रेनिंग रोज़गार.

अजमेर 26,723 3,571

अलवर 18,335 2,159

भीलवाड़ा 30,481 1,001

जयपुर 29,239 5,385

टोंक 31,540 2,751

RASonly

पाठ्यक्रम योजना और संगठन

• RSLDC 30 से ज़्यादा स्किल डेवलपमेंट कोर्स और 7 योजनाओं का प्रोवाइडर है।

• दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) केंद्र सरकार के सपोर्ट से चलती है।

• स्वामित्व संरचना/फंडिंग:

– 4 योजनाएं राज्य-फंडेड हैं

– अन्य विभाग 2 योजनाओं से जुड़े हैं।

• वार्षिक डिलीवरी नेटवर्क:

– सालाना औसतन 400-450 केंद्रों में क्लासें दी जाती हैं।

• फीस कोर्स के हिसाब से अलग-अलग होती है

प्लेसमेंट प्रावधान और एजेंसी भुगतान

• कुछ बेरोजगारों में वे युवा भी शामिल हैं जिन्होंने सॉफ्ट-स्किल ट्रेनिंग ली थी, हालांकि योजना ने प्लेसमेंट नहीं दिया।

• जिन मामलों में 50%+ प्लेसमेंट ज़रूरी है, विभाग एक ऐसा सिस्टम डेवलप कर रहा है जिसमें:

– एजेंसियों का पेमेंट प्लेसमेंट के संबंध में उन्हें मिलने वाले टारगेट पर निर्भर करेगा।

निष्कर्ष

यह डेटा बताता है कि राजस्थान में स्किल ट्रेनिंग एक्टिविटीज़ और रोज़गार के नतीजों के बीच बहुत ज़्यादा अंतर है। चूंकि 2.5 सालों में 3,65,489 युवाओं को ट्रेनिंग दी गई है और उनमें से केवल 13% को नौकरी मिली है, इसलिए जवाबदेही एक बढ़ती हुई चिंता का विषय है, खासकर उन योजनाओं में जिनमें प्लेसमेंट के तय कोटे की ज़रूरत होती है। राज्य द्वारा AI शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ इन आंकड़ों का मेल, ट्रेनिंग प्रोग्राम को रोज़गार के मामले में मापने योग्य नतीजों से जोड़ने के महत्व को सपोर्ट करता है।

RASonly

MCQs (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

1. पिछले 2.5 सालों में (दिए गए डेटा के अनुसार) RSLDC में कितने युवाओं को ट्रेनिंग दी गई? (a) 4,65,489

(b) 3,65,489

(c) 2,65,489

(d) 48,629

उत्तर: b

2. नवीनतम डेटा के आधार पर, पिछले 2.5 सालों में RSLDC द्वारा प्रशिक्षित और रोज़गार पाने वाले युवाओं का प्रतिशत कितना है?

(a) 87%

(b) 50%

(c) 13%

(d) 25%

उत्तर: c

RASonly

Nagauri Ashwagandha is given GI tag; Nagaur is producing around 10% of the production in India.

They put a Geographical Indication (GI) tag name on Nagauri Ashwagandha. It was officially recognized and recognized as a legal status by the Centre.

KEY HIGHLIGHTS

• Approximately 10 percent of the ashwagandha in India is produced by Nagaur.
• Following Sojat Mehendi, this is reported to be the second big GI tag in the group of agriculture in Rajasthan.
• The GI tag is expected to:
– certify purity and quality,
– give legal guard to the name/identity,
– promote agricultural practises of medicine, attract the attention of youth, and increase the farm incomes (according to experts).

What is GI Tags?

A Geographical Indication (GI) is a IPR label that is applied on a product whose quality, reputation or any other attributes are fundamentally associated with a particular location/region. Under the law of GI in India, GIs are registered on goods, which are either natural, agricultural, or industrial and the association between the good and geography is created.

List of GI Tag products in Rajasthan

1. Kota Doria
2. Blue Pottery of Jaipur
3. Molela Clay Work
4. Kathputlis of Rajasthan
5. Sanganeri Hand Block Printing
6. Bikaneri Bhujia
7. Kota Doria (Logo)
8. Phulkari
9. Bagru Hand Block Print
10. Thewa Art Work
11. Makrana Marble
12. Molela Clay Work of Rajasthan (Logo)
13. Blue Pottery of Jaipur (Logo)
14. Kathputlis of Rajasthan (Logo)
15. Pokaran Pottery
16. Sojat Mehndi
17. Nathdwara Pichhwai Painting
18. Udaipur Koftgari Metal Craft
19. Bikaner Kashidakari Craft
20. Jodhpur Bandhej Craft
21. Bikaner Usta Kala Craft
22. Nagauri Ashwagandha

MCQ (RAS PRELIMS PATTERN)

1. **The product "Ashwagandha" has recently received GI tag, it belongs to which district of the Rajasthan?**
   (a) Ajmer
   (b) Nagaur
   (c) Jaisalmer

RASonly

(d) Bikaner
Answer: b

2. **The primary purpose of giving Nagauri Ashwagandha a GI tag was to supply the following?**
(a) Grower seed subsidy at the new level.
(b) Legal protection to its name and identity.
(c) Compulsory MSP of ashwagandha.
(d) Non-GI ashwagandha export prohibition.
Answer: b

नागौरी अश्वगंधा को GI टैग मिला; नागौर भारत में लगभग 10% उत्पादन कर रहा है।

उन्होंने नागौरी अश्वगंधा पर ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (GI) टैग का नाम दिया है। इसे केंद्र सरकार द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई और कानूनी दर्जा दिया गया।

मुख्य बातें

• भारत में अश्वगंधा का लगभग 10 प्रतिशत उत्पादन नागौर करता है।

• सोजत मेहंदी के बाद, यह राजस्थान में कृषि समूह में दूसरा बड़ा GI टैग बताया जा रहा है।

• GI टैग से उम्मीद है:

– शुद्धता और गुणवत्ता को प्रमाणित करना,

– नाम/पहचान को कानूनी सुरक्षा देना,

– औषधीय कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, युवाओं का ध्यान आकर्षित करना, और किसानों की आय बढ़ाना (विशेषज्ञों के अनुसार)।

GI टैग क्या हैं?

ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (GI) एक IPR लेबल है जो किसी ऐसे उत्पाद पर लगाया जाता है जिसकी गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या कोई अन्य विशेषताएँ मूल रूप से किसी विशेष स्थान/क्षेत्र से जुड़ी होती हैं। भारत में GI कानून के तहत, GI उन वस्तुओं पर पंजीकृत किए जाते हैं, जो या

RASonly

तो प्राकृतिक, कृषि या औद्योगिक होती हैं और वस्तु और भूगोल के बीच संबंध बनाया जाता है। राजस्थान में GI टैग वाले प्रोडक्ट्स की लिस्ट

1. कोटा डोरिया
2. जयपुर की ब्लू पॉटरी
3. मोलेला क्ले वर्क
4. राजस्थान की कठपुतलियाँ
5. सांगानेरी हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग
6. बीकानेरी भुजिया
7. कोटा डोरिया (लोगो)
8. फुलकारी
9. बागरू हैंड ब्लॉक प्रिंट
10. थेवा आर्ट वर्क
11. मकराना मार्बल
12. राजस्थान का मोलेला क्ले वर्क (लोगो)
13. जयपुर की ब्लू पॉटरी (लोगो)
14. राजस्थान की कठपुतलियाँ (लोगो)
15. पोकरण पॉटरी
16. सोजत मेहंदी
17. नाथद्वारा पिछवाई पेंटिंग
18. उदयपुर कोफ्तगारी मेटल क्राफ्ट
19. बीकानेर कशीदाकारी क्राफ्ट
20. जोधपुर बंधेज क्राफ्ट

RASonly

21. बीकानेर उस्ता कला क्राफ्ट

22. नागौरी अश्वगंधा

MCQ (RAS प्रीलिम्स पैटर्न)

1. प्रोडक्ट "अश्वगंधा" को हाल ही में GI टैग मिला है, यह राजस्थान के किस जिले से संबंधित है?

(a) अजमेर

(b) नागौर

(c) जैसलमेर

(d) बीकानेर

उत्तर: b

2. नागौरी अश्वगंधा को GI टैग देने का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित में से क्या था?

(a) नए स्तर पर किसानों को बीज सब्सिडी देना।

(b) इसके नाम और पहचान को कानूनी सुरक्षा देना।

(c) अश्वगंधा का अनिवार्य MSP।

(d) गैर-GI अश्वगंधा के निर्यात पर रोक।

उत्तर: b

RASonly